अध्याय 11

गीत और कहानियाँ

आपने संगीत की विभिन्न शैलियों, जैसे— हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत, बाउल गान, हिप-हॉप, बॉलीवुड आदि में से कुछ के विषय में सुना होगा।

अलग-अलग तरह के संगीत की ध्वनि अलग-अलग होती है। उनकी शैली, पैटर्न, उत्पत्ति, वाद्ययंत्र और उद्देश्य की अलग-अलग विशेषताएँ होती हैं।

संगीत शैली एक श्रेणी है, जो साझा विशेषताओं, ध्वनियों या पैटर्न के आधार पर संगीत को समूहीकृत करती है।

क्या आप संगीत की कुछ शैलियों के नाम बता सकते हैं, जिन्हें आपने सुना हो? इसमें क्या विशेष बात है?

हम संगीत को आमतौर पर चार श्रेणियों में वर्गीकृत करते हैं—

1. लोक संगीत
2. शास्त्रीय संगीत—हिंदुस्तानी और कर्नाटक
3. अन्य पारंपरिक शैलियाँ— भक्ति संगीत, रबिंद्र संगीत, उपशास्त्रीय आदि
4. लोकप्रिय या रचनात्मक संगीत— फिल्मी गाने, पॉप गाने आदि

0438CH11

© NCERT not to be republished

गतिविधि 11.1 शैली की पहचान करें

निम्नलिखित संगीतों को ऑनलाइन सुनें और पहचानें कि वे किस शैली से संबंधित हैं—

1. हरिप्रसाद चौरसिया द्वारा राग भूपाली
2. ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे
3. कनिका बंद्योपाध्याय द्वारा रबिंद्र संगीत
4. मांगणियार संगीतज्ञों द्वारा केसरिया बालम

संगीत क्यों?

क्या आपने कभी हमारे जीवन में संगीत की भूमिका के विषय में सोचा है?

संगीत कहानियाँ सुनाता है, भावों को अनुभव कराता है और परंपराओं का उत्सव मनाता है।

हमारे यहाँ कई संस्कृतियों और भाषाओं में त्योहारों व विशेष दिवसों के लिए विशेष गीत होते हैं। कभी-कभी एक ही अवसर को अलग-अलग लोगों के समूहों द्वारा अलग-अलग तरीके से मनाया जा सकता है।

क्या आप जानते हैं?

फसल उत्सव पूरे भारत में मनाया जाता है लेकिन इसके कई अलग-अलग नाम हैं। आपके क्षेत्र में इसे क्या कहा जाता है?

© NCERT not to be republished

हरिप्रसाद चौरसिया द्वारा राग भूपाली

ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे

कनिका बंद्योपाध्याय द्वारा रबिंद्र संगीत

मांगणियार संगीतज्ञों द्वारा केसरिया बालम

गतिविधि 11.2 फसल गीत

नीचे पंजाब के फसल उत्सव बैसाखी के विषय में एक गीत दिया गया है—

देशभर के कुछ फसल उत्सवों के नाम बताइए—

....

....

....

पंजाबी— बैसाखी गीत
पारंपरिक लोक गीत

आई बैसाखी, आई बैसाखी चल्लो पाइये भंगड़ा
मुक गई खेतां दी राखी, रल के पाइये भंगड़ा
बापू बेचीं कनक ते खीसा नोटां दे नाल भर्या
माँ ने सीता सूट सोहरना गोटे दे नाल जड़ेया
आओ सहेलीयों, आओ हाणियों सारे पाइये भंगड़ा
सारे पाइये भंगड़ा!
आई बैसाखी
सारे मारो तालियाँ ते फिर मैं बोली पावां
बोली पा के गोरी नु मैं गिद्धे विच नचावां
नच्चे गोरी मटक-मटक के असि वि पाइये भंगड़ा!
असि वि पाइये भंगड़ा!
आई बैसाखी
हाँ जी पाइये भंगड़ा
चल्लो पाये भंगड़ा!

देश के किसी दूसरे भाग से कोई ऐसा गीत ढूँढ़ें, जो फसल के मौसम का उत्सव मनाता हो। उसे सुनें, उसके बोल लिखें और उसे गाना सीखें। क्या यह गाने एक जैसे लगते हैं या अलग? अगर हाँ, तो कैसे?

© NCERT not to be republished

संगीत शैलियाँ

आइए, दो प्रकार के गीत सीखें— एक लोरी और दूसरा देशभक्ति गीत।

गतिविधि 11.3

लोरी— *ऐन्नाम्मा थोज्ही*

भाषा— तमिल

पारंपरिक लोक गीत

ऐन्नाम्मा थोज्ही बोम्या कानुम
नान ऐन्ना सेय्या पोरेन
ऐन्नाम्मा थोज्ही बोम्या कानुम
नान ऐन्ना सेय्या पोरेन
थालाई वारी पिन्नी
पोकल वयथु पुधु चततै पोट्टु विट्टु
ल्यपसी मासम कावेरी स्नानं
बोम्माय वानगी वंधें

गीत का लिंक— https://tinyurl.com/Ennamma-Thozhi

© NCERT not to be republished

★ गतिविधि 11.4 देशभक्ति गीत

गीत हमारे देश के प्रति प्रेम को व्यक्त करने एवं लोगों को एकजुट करने का एक उत्तम तरीका है। हमारे यहाँ कई अद्भुत देशभक्ति गीत हैं जिन्हें आप एक समूह में गा सकते हैं।

नीचे कुछ लोकप्रिय देशभक्ति गीत दिए गए हैं। यह गीत ऑनलाइन ढूँढ़ें और उन्हें एक समूह में गाना सीखें।

1. नन्हा मुन्ना राही हूँ

संगीतकार— नौशाद

गीतकार— शकील बदायूनी

नन्हा मुन्ना राही हूँ, देश का सिपाही हूँ, बोलो मेरे संग
जय हिंद, जय हिंद जय हिंद, जय हिंद, जय हिंद

2. आओ बच्चो, तुम्हें दिखाएँ

संगीतकार— हेमंत कुमार

गीतकार— कवि प्रदीप

आओ बच्चो, तुम्हें दिखाएँ, झाँकी हिंदुस्तान की
इस मिट्टी से तिलक करो, यह धरती है बलिदान की
वंदे मातरम्, वंदे मातरम्!
वंदे मातरम्, वंदे मातरम्!

अपनी भाषा में एक देशभक्ति गीत ढूँढ़िए। इसे सीखें और अपनी कक्षा के साथ साझा करें।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 11.5 एकता का गीत

संगीत एक अद्भुत शक्ति का स्रोत है, जिसने राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के समय गीतों ने जनसाधारण को सामान्य रूप से संघर्ष करते हुए उन्हें एक साथ लाने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में कार्य किया।

आप जानते हैं?

श्री बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय

'वंदे मातरम्' श्री बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखा गया था, जिन्होंने इस कविता में भारत माता की महिमा का वर्णन किया है। 'वंदे मातरम्' आमतौर पर राग-देश में गाया जाता है, इसके कई अन्य संस्करण रह चुके हैं और यह इतिहास में सबसे व्यापक रूप से रिकॉर्ड किए गए गीतों में से एक है।

'वंदे मातरम्' सबसे प्रसिद्ध गीतों में से एक है, जो स्वतंत्रता सेनानियों और देश के लोगों के बीच देशभक्ति की भावना को जागृत करता है। आज भी यह एक ऐसा गीत है जो हमें एकजुट करता है और हमारा उत्थान करता है। 'जन-गण-मन' राष्ट्रीय गान है, 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गीत के रूप में जाना जाता है।

इस गीत को एक समूह में गाना सीखें।

वंदे मातरम्
लिखित— श्री बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय

वंदे मातरम्, वंदे मातरम्
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्,
शस्यश्यामलाम् मातरम्
वंदे मातरम्
शुभ्र ज्योत्स्ना पुलकितयामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीम् सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदाम् वरदाम् मातरम्
वंदे मातरम्

© NCERT not to be republished

आकलन— अध्याय 11— गीत और कहानियाँ			
दक्षताएँ	**सीखने के प्रतिफल**	**शिक्षक**	**स्वयं**
C-3.2	संगीत शैलियों की अवधारणा को समझते हैं।		
C-4.2	विभिन्न प्रकार के गीतों के बीच अंतर स्पष्ट करने में सक्षम हैं।		
	इतिहास और परंपरा में संगीत की भूमिका को समझते हैं।		
C-4.2	विभिन्न प्रकार के लोकसंगीतों को ढूँढ़ने के लिए उत्सुक हैं।		

विद्यार्थियों की क्षमताओं पर शिक्षकों की प्रतिक्रिया ....

....

विकास-क्षेत्रों पर शिक्षकों की प्रतिक्रिया ....

....

कोई अन्य अवलोकन ....

....

© NCERT not to be republished